बंद ढीले कर देना	थका देना। पस्त कर देना।
बंदगी कबूल होना	प्रणाम,बंदना स्वीकार होना।
बंदर का घाव	वह घाव जो कभी सूखे नहीं। (बंदर का घाव जब सूखने लगता है तो वह खुजलाकर उसे छील देता है)।
बंदर भबकी देना	ऐसी धमकी या डांट डपट जो केवल डराने या धमकाने के लिए ही हो। ऐसी धमकी जो दृढ़ या बलिष्ठ से काम पड़ने पर कुछ भी प्रभाव न रख सकती हो।
बकना भकना	बड़बड़ाना। बिगड़कर व्यर्थ की बातें करना। गुस्से में बोलना
बकारी फूटना	मुंह से शब्द या वर्णों का उच्चारण होना। बात निकलना।
बकरे की मां कब तक खैर मनायेगी	दोषी,अपराधी कब तक बच सकता है ?
बकुची बांधना	हाथ पैर समेटकर गठरी जैसा बन जाना।
बकुची मारना	हाथ पैर समेटकर गठरी व जैसा बन जाना।
बखिया उघड़ना	बखिया,सीवन खुलना। भंडा फोड़ होना।
बखिया उधेड़ना	भेद खोलना। कलई खोलना। भंडा फोड़ना। सीवन खोलना।
बगल क गरम करना	(स्त्री का)साथ सोना,बगल में सोना।
बगल गीर होना	आलिंगन करना। छाती से लगाना।
बगल में ईमान दबाना	बेईमानी करना। ईमान छोड़कर बोलना।
बगल में दबाना	कांख में छिपा लेना। धोखा देकर या बलात् किसी वस्तु को अपने अधिकार में लाना। अधिकार करना। ले लेना। उ०- लैगो अनूप रूप संपत्ति बगल दाबि उचिकै अचान कुच कंचन पहार से । देव ।
बगल में दाबना	कांख में छिपा लेना। कब्जे में कर लेना।
बगल में धरना	बगल में छिपाना। बगल में दबाना। उ०- बूंद सुहावनी री लागत मत भीजि तेरी चूंनरी। मोहिं दे उतार धर राखौं बगल में तू न री। हरिदास । अधिकार में लाना। छीन लेना।

बगली घूंसा — वह वार जो आड़ में छिपकर या धोखे से किया जाय।

बगलें झांकना — इधर उधर भागने का यत्न करना। बचाव का रास्ता ढूंढना। निरुत्तर होना।

बगलें बजाना — बहुत प्रसन्नता प्रकट करना। खूब खुशी मनाना।

बग़ावत का झंडा उठाना — विद्रोह करना। विद्रोह की घोषणा करना।

बग़ावत का झंडा बुलन्द करना — विद्रोह करना। विद्रोह की घोषणा करना।

बगुला भगत — धर्मध्वजी। कपटी। धोखेबाज।

बच कर चलना — सतर्कता से व्यवहार या काम करना।

बचन डालना — कुछ मांगना। याचना करना।

बचन छोड़ना — प्रतिज्ञा से विचलित होना। कहकर न करना। प्रतिज्ञा भंग करना।

बचन तोड़ना — प्रतिज्ञा से विचलित होना। कहकर न करना। प्रतिज्ञा भंग करना।

बचन देना — प्रतिज्ञा करना। बात हारना।

बचन निभाना — प्रतिज्ञा के अनुसार कार्य करना। जो कुछ कहना वह करना।

बचन बांधना — प्रतिज्ञा करना। बचनबद्ध करना। उ०- नंद यशोदा बचन बंधायो। ता कारण देही धरि आयो। सूर।

बचन मानना — आज्ञा पालन करना। उ०- तौ तु बचन मानि घर रहहू। । राम० ।

बचन लेना — प्रतिज्ञा कराना।

बचन हारना — प्रतिज्ञाबद्ध होना। बात हारना। कुछ करने का पक्का वादा करना।

बच्चा देना — प्रसव करना। गर्भ से उत्पन्न करना। भैंस आदि का बच्चा जनना।

बच्चे निकलना — अंडे से बच्चे का बाहर आना।

बच्चों का खेल	बहुत सुगम कार्य। सहज काम।
बछिया का ताऊ	मूर्ख। अज्ञान।
बज्र की छाती	ऐसा कठोर हृदय जो दुःख सह सके। अत्यन्त सहिष्णु हृदय।
बज्र बहरा	बहुत अधिक बहरा, जिसे कुछ भी सुनाई न पड़ता हो।
बजा लाना	पूरा करना। पालन करना। करना।
बटना खेलना	व्याह के अवसर पर परिहासार्थ एक दूसरे को उबटन लगाना।
बटाऊ होना	राही होना। चलता होना। चल देना। उ०-(क) चेटक लाय हरहिं मन जौ लहिं गथ है फेंटा। सांट नाठ उठि भए बटाऊ ना पहिचान न भेंट। जायसी। (ख) भए बटाऊ नेह तजि बाद बकति बेकाज। अब अलि देत उराहनौ उर उपजति अति लाज। बिहारी।
बटेर का जगाना	रात को बटेर के कान में आवाज देना। (बटेरबाज)।
बटेर का बह जाना	दाना न मिलने के कारण बटेर का दुबला हो जाना।
बट्टा काटना	दस्तूरी आदि निकाल लेना।
बट्टा लगना	दाग लगना। कलंक लगना। ऐब हो जाना। त्रुटि या कसर हो जाना। बट्टे से चलना। पूरा मूल्य न मिलना।
बट्टा लगाना	कलंक लगाना। ऐब लगाना। दूषित करना। बदनाम करना
बट्टा सहना	घाटा, हानि उठाना।
बट्टेखाते लिखना	हानि के लेखे में डालना। घाटा या हानि मान लेना। गया हुआ समझना।
बढ़कर चलना	इतराना। घमंड करना।
बढ़कर बोलना	दूसरों से अधिक दाम लगाना। बड़ी बोली बोलना।
बढ़कर होना	श्रेष्ठ होना। अधिक महत्व का होना।
बढ़ बढ़कर बोलना	डींग मारना। ढिठाई, गुस्ताखी करना।

बढ़ा चढ़ा	श्रेष्ठ।अधिक बड़ा या अच्छा।अधिक।विशेष।
बढ़ावे मे आना	उत्साह देने से किसी टेढ़े काम मे प्रवृत्त हो जाना।
बढ़ मारना	डींग हांकना।
बड़ा आदमी	धनी मनुष्य।ऊंचे पद या अधिकार का आदमी।प्रसिद्ध मनुष्य।
बड़ा भारी	बहुत बड़ा।
बड़ाई देना	आदर करना।सम्मान करना।प्रतिष्ठा प्रदान करना।उ०- यहि विधि प्रभु मोहिं दीन बड़ाई।
बड़ाई मारना	शेखी हांकना।झूठी प्रशंसा करना।
बड़ी बड़ी बाते करना	डींग हांकना।शेखी बघारना।डून की लेना।
बड़े बरतन की खुरचन	धनी,बड़े आदमी की जूठना।
बड़े बाप का बेटा	बड़े नाम,प्रतिष्ठावाले का बेटा।बड़े घराने का आदमी।
बड़े बोल का सिर नीचा	घमंडी को नीचा देखना पड़ता है।
बताशे सा घुलना	झट नष्ट हो जाना।
बतोले बनाना	बाते बनाना।भुलावा देना।
बतीसी खिलना	हंस पड़ना।खुलकर हंसना।
बतीसी झड़ना	दांतो का गिर जाना।
बतीसी दिखना	दांत दिखाना।हंसना।
बतीसी बजना	अधिक जाड़ा लगना।
बत्ती चढ़ाना	शमदान मे मोमबत्ती लगाना।
बत्ती दिखाना	उजाला करना।प्रकाश दिखाना।
बत्ती देना	दागना (तोप आदि)।
बत्ती लगाना	जलाना।आग लगाना।भस्म करना।जलती हुई बत्ती छुला देना।

बदन जलना	बुखार की तेजी होना।
बदन टूटना	शरीर की हड्डियों में पीड़ा होना। जोड़ों में दर्द होना (ज्वर आने या मरने के पहले)। अंगड़ाई आना।
बदन ढीला करना	बदन का तनाव दूर करना।
बदन तख्ता होना	बदन अकड़ जाना।
बदन तोड़ना	पीड़ा के कारण अंगों को तानना और खींचना। अंगड़ाई लेना। मरने से पहले बेहोशी में हाथ पैर आदि हिलाना डुलाना और पटकना।
बदन दुहरा होना	बदन झुक जाना।
बदन फलना	बदन पर फोड़े फुंसियां निकलना।
बदन में आग लगना	बहुत क्रोध आना।
बदन सनसनाना	बदन में सनसनी पैदा होना।
बदन सांचे में ढला होना	हर एक अंग का सुन्दर होना।
बदन सूखकर कांटा हो जाना	बहुत दुबला हो जाना।
बदन हरा होना	बदन का तर और ताज़ा होना।
बद में	एवज में। बदले में। स्थान पर। उ०- गुरुगृह जब हम बन को जात। तुरत हमारे बद में लकरी लावत सहि दुख गात। सूर।
बदर निकालना	किसी के जिम्मे रकम निकालना। किसी के हिसाब में नाम बाकी बताना। हिसाब में गलती बताना।
बदला देना	उपकार के बदले में उपकार करना। प्रत्युपकार करना। किसी के कुछ लाभ उठाकर उसे लाभ पहुंचाना।
बदला लेना	अपकार के बदले में अपकार करना। किसी के बुराई करने पर उसके साथ बुराई करना। प्रत्यपकार करना।
बदले में	(के) स्थान पर, एवज में।
बदा होना	भाग्य में लिखा होना। प्रारब्ध में होना। अवश्यम्भावी होना।

बधाई बजना	शुभ या मांगलिक अवसर पर बधाई का सूचक गाना बजाना होना। लोक में निंदा या बदनामी होना।
बधिया बैठना	घाटा होना। टोटा होना। दिवाला निकलना। चलते हुए बैल का बैठ जाना।
बन्दूक छतियाना	भरी हुई बन्दूक को छाती के साथ लगाकर उसका निशाना ठीक करना। बन्दूक चलाने के लिए तैयार होना।
बन्दूक दागना	बन्दूक चलाना।
बन्धन ढीले करना	अत्यधिक मारना पीटना।
बन आना	विवशता या असमंजस की दशा में पहुंचना। ऐसी स्थिति में पहुंचना कि खूब लाभ या उन्नति हो। संयोग मिलना। अभीष्ट सिद्धि का अवसर मिलना।
बन कर	भली भांति। अच्छी तरह सजना। उ०- प्रात भये सब भूप, बन बन मंडप गये। रामां० ।
बनना-ठनना	बनाव सिंगार करना। सजना-संवरना।
बन पड़ना	हो सकना। शक्य होना।
बन-बनाकर	बनकर। पूरी तरह बनकर।
बना कर	खूब अच्छी तरह। भली भांति। पूर्ण रूप से।
बनाना-पछोड़ना	फटकना। साफ करना।
बनाना बिगाड़ना	अच्छी या बुरी हालत में पहुंचाना।
बना रहना	जीवित रहना। उपस्थित रहना। मौजूद रहना। ठहरा रहना।
बना हुआ	चालाक व्यक्ति जो कुछ कहे और करे कुछ।
बनाये रखना	जीवित रखना। जीवित रहने देना। कायम रखना।
बम बम करना	शिवोपासकों का शिव को प्रसन्न करने के लिए बम बम कहना।

बम बोल जाना — शक्ति,धन आदि की समाप्ति हो जाना।कुछ न रह जाना।खाली हो जाना।दिवाला हो जाना।

बम बोलना — शक्ति,धन आदि की समाप्ति हो जाना।कुछ न रह जाना।खाली हो जाना।दिवाला हो जाना।

बयान देना — अभियुक्त,साक्षी आदि का यह बतलाना कि मैं वक्तव्य या कथन क्या है ?

बयान लेना — अभियुक्त,साक्षी आदि से यह पूछना या जानना कि उसका वक्तव्य या कथन क्या है ?

बयार करना — पंखा हिलाना।पंखे से हवा करना।उ०- भोजन करत कनक की थारी।द्रुपदसुता तहं करति बयारी।

बर आना — बढ़कर निकलना।मुकाबिले में अच्छा ठहरना।पूरा होना। सफल होना।

बर खांचना — किसी बात ~~के सम्बन्ध~~ में दृढ़ता सूचित करने ~~के लिए लकीर खींचना~~।उ०- तेहि ऊपर राघव बर खांचा।दुइज आजु तो पंडित सांचा। जायसी । हठ दिखाना।अड़ना। उ०- हिन्द देव काह बर खांचा।सरगहु अब न सूर सौं बांचा। जायसी ।

बर खींचना — किसी बात में बहुत दृढ़ता दिखलाना।हठ दिखाना। अड़ना।

बर जबान (होना) — जो बहुत अच्छी तरह याद हो।कंठस्थ।उपस्थित।

बर पड़ना — बढ़ निकलना।श्रेष्ठ होना।उ०- बर तें टरत न बर परैं दई मरक मनु मैन।होड़ाहोड़ी बढ़ि चले चित चतुराई नैन। बिहारी ।

बर पाना — बढ़कर निकलना।मुकाबिले में अच्छा ठहरना।

बर बांधना — प्रतिज्ञा करना।उ०- लंघउर धरा देव जस आदी।और को बर बांधे,को बादी ? जायसी ।

बर लाना — पूरा करना।सिद्ध करना।

बरकत उठना — बरकत न रह जाना।पूरा न पड़ना।वैभव आदि की समाप्ति या अन्त आने लगना।ह्रास का आरम्भ होना।

बरकत देना	बढ़ाना। वृद्धि करना।
बरकत होना	अधिकता होना। वृद्धि होना। उन्नति होना।
(मिट्टी का)बरतन पकना	आंवे में आंच खाकर कड़ा होना। आंवे में तैयार होना।
बरस का दिन	ऐसा दिन(त्योहार या पर्व आदि)जो साल भर में एक ही बार आता हो। बड़ा त्योहार।
बरस पड़ना	अत्यधिक क्रुद्ध होकर डाटने,डपटने लगना। बहुत कुछ बुरी भली बातें कहने लगना।
बरात करना	बरात में सम्मिलित होना।
बराबर करना	समाप्त कर देना। अन्त कर देना। न रहने देना। समतल करना।
बराबर का	बराबरी करनेवाला। समान।
बराबर (पर)छूटना	कुश्ती,बटेरी आदि की लड़ाई में लड़नेवालों का बिना हारे-जीते अलग हो जाना,किसी जीत-हार न होना।
बराबर से निकलना	पास से निकलना।
बरामद करना	छिपी-छिपायी हुई चीज को बाहर लाना,प्रकट करना (चोरी का माल)।
बरामद होना	बाहर आना। प्रकट होना।
बर्फ गिरना	आकाश से बरफ का गिरना। हिमपात।
बर्फ पड़ना	आकाश से बरफ का गिरना,हिमपात।
बर्फ होना	बहुत ठंढा होना।
(किसी के)बल पर कूदना	किसी के भरोसे इतराना।
बल आना	शिकन पड़ना। फर्क आना।
बल उतरना	शिकन दूर होना।
बल की बात	शरारत या चालाकी की बात।
बल की लेना	इतराना। घमंड करना।

बल खाना	ऐंठ जाना। पेंच खाना। बटने या घुमाने से घुमावदार हो जाना। टेढ़ा होना। हानि सहना। कुंचित होना। लचकना। झुकना। उ०- बल खात दिग्गज कोल कूरम शेष सिर हालति मही। विश्राम, । घाटा सहना। खर्च करना। नाराज होना।
बल दे खुलना	सीधा होना।
बल देना	ऐंठना। मरोड़ना। बटना।
बल निकालना	टेढ़ापन दूर करना।
बल पड़ना	अन्तर होना। फर्क होना। कमी या घाटा होना।
बल पीछे लगाना	बखेड़ा साथ करना। झंझट मे डालना। बखेड़े मे फंसाना
बल मरना	बल दिखाना। जोर दिखाना। जोर करना। जोर मे आना।
बला उतरना	विपत आना। दैवकोप होना।
बला का	गजब का। घोर। अत्यन्त। बहुत बढ़ा चढ़ा।
(किसी की) बला (कुछ करे । करने जाय)	नहीं करना।
(मेरी) बला जाने	मै न जानता हूं न जानने की गरज है।
बला टलना	कष्ट, परेशानी या तंग करनेवाले आदमी से छुटकारा मिलना।
बला पीछे लगना	तंग करनेवाले आदमी का साथ मे होना। बखेड़ा साथ मे होना। झंझट या आफत का सामना होना।
बला मोल लेना	जान-बूझकर झंझट-झमेले मे पड़ना।
(मेरी) बला से	कुछ परवाह नहीं। कुछ चिंता नहीं।
बलायें लेना	किसी का रोग, दु:ख अपने ऊपर लेना। मंगल कामना करते हुए प्यार करना।
बलैया लेना	किसी का रोग, दु:ख अपने ऊपर लेना।
बलि चढ़ना	किसी देवता के नाम पर मारा जाना। किसी के लिए भारी हानि सहना।

बलि चढ़ाना — बलि देना। देवता के उद्देश्य से घात करना। देवार्पण के लिए बध करना।

बलि जाना — निछावर होना। बलिहारी जाना। उ०-(क) तात जाउं बलि बेगि नहाहू। जो मन भाव मधुर कछु खाहू। तुलसी। (ख) अवधपुर आये दशरथ राय। राम लछिमन भरत सत्रुहन सोभित चारों भाय। कौशल्या आदिक महतारी आरति करति बनाय। यह सुख निरखि मुदित सुर नर मुनि सूरदास बलि जाय। सूर।

बलिहारी जाना — निछावर होना। कुरबान जाना। बलैया लेना। उ०-दादू उस गुरुदेव की मैं बलिहारी जाउं। आसन अमर अलेख था ले राखे उस ठाउं।

बलिहारी लेना — बलैया लेना। प्रेम दिखाना। उ०- पहुंची जाय महरि मंदिर मैं करत कुलाहल भारी। दरसन करि जसुमति-सुत को सब लेन लगीं बलिहारी। सूर।

बलिहारी है ! — मैं इतना मोहित या प्रसन्न हूं कि अपने को निछावर करता हूं। क्या कहना है।

बलैया लेता हूं — बलिहारी है। इस बात पर निछावर होता हूं। क्या कहना है। पराकाष्ठा है। बहुत ही बढ़ चढ़ कर है। उ०- लाज बांह गहे की, नेवाजे की संभार सार, साहब न राम सो, बलैया लीजे सील की। तुलसी।

बस करो ! — ठहरो। रुको। इतना बहुत है, और अधिक नहीं।

बस चलना — शक्ति का काम करना। शक्ति या सामर्थ्य का ठीक तरह से काम करना।

बस हो चुका — कुछ न होगा। कुछ भी काम न बनेगा। काम पूरा न होगा

बस्ता बांधना — कागज-पत्र समेटना। (विद्यालय, कार्यालय से) घर जाने की तैयारी करना।

बसेरा करना — रात में टिकना। य डेरा डालना। निवास करना। ठहरना। उ०-(क) बहुते को उधम परिहरौ। निर्भय ठौर बसेरो करौ। सूर। (ख) भूला लोग कहै घर मेरा। जा घरवा मैं फूले डोला सो घर नाहीं तेरा। हाथी घोड़ा बैल

	बाहनो संग्रह किया घनेरा।बस्ती मैं से दिया उदेरी जंगल किया बसेरा। कबीर ।घर बनाना।रहना।बस आना।उ०- कहा भयो जो देश द्वारका कीन्हो दूर बसेरो।वापुनहीं या ब्रज के कारण करिहौ फिरि फिरि फेरो। सूर ।
बसेरा देना	रहने की जगह देना।ठहराना।टिकाना।आश्रय देना। ठिकाना देना।उ०- प्रभु कह गरलबंधु ससि केरा।अति प्रिय निज उर दीन बसेरा। तुलसी ।टिकने या बसने का भाव रहना।बसना।आबाद होना।उ०- परहित हानि लाभ जिन केरे।उजरे हरष विषाद बसेरे। तुलसी ।
बसेरा लेना	निवास करना।वास करना।रहना।उ०- अरी ग्वारि मैमंत वचन बोलत जो अनेरो।कब हरि बालक भए गर्भ कब लियो बसेरो। सूर ।विश्राम के लिए ठहरना या रहना। रात मैं टिकना।
बह चलना	पानी की तरह पतला हो जाना।
बहक कर बोलना	मद मैं चूर होकर बोलना।जोश मैं आकर बढ़ बढ़ कर बोलना।अभिमान आदि से भरकर,परिणाम या औचित्य आदि का विचार न करना।
बहकी बहकी बातें करना	मदोन्मत्त की सी बातें करना।बहुत बढ़ी बढ़ी बातें करना
बहता हुआ जोड़ा	बहुत अंडे देनेवाला जोड़ा (कबूतर)।
बहती गंगा मैं हाथ धोना	किसी ऐसी बात से लाभ उठाना जिससे सब लाभ उठा रहे हों।किसी अवसर से सहज मैं लाभ उठाना।
बहती नदी मैं पांव पखारना	किसी ऐसी बात से लाभ उठाना जिससे सब लाभ उठा रहे हों।
बहरा पत्थर	बहुत अधिक बहरा।
बहा फिरना	दुर्दशा भोगते हुए भटकना।मारा मारा फिरना।उ०- कब लगि फिरिहौ दीन बह्यौ। सूर ।
बहार पर आना	विकसित होना।पूर्ण शोभा सम्पन्न होना।जवानी पर आना।

बहार पर होना	जवानी पर आना। खिलना। पूर्ण विकास होना।
बही पर चढ़ना	बही पर लिख लिया जाना।
बही पर चढ़ाना	बही पर लिखना। दर्ज करना।
बही पर टंकना	बही पर लिख लिया जाना।
बही पर टांकना	बही पर लिखना।
बहुत करके	अधिकतर। बहुधा। प्राय:। अधिक अवसरों पर। अधिक सम्भव है
बहुत से पापड़ बेलना	बहुत तरह के काम कर चुकना। बहुत जगह भटक चुकना।
बहुत है	कुछ नहीं है (व्यंग्य)।
बहुत हो गये	रहने दो, जाओ। चल दो। तुम्हारा काम नहीं।
बहे फिरना	दुर्दशा भोगते हुए भटकना। मारा मारा फिरना। उ०- कब लगि फिरिहौ दीन बह्यो। सूर।
बांझ पड़ना	हिस्से में आना।
बांटे पड़ना	हिस्से में आना। किसी में या किसी के पास बहुत परिमाण में होना। उ०-(क) विप्रद्रोह जनु बांट परयो हठि सबसों बैर बढ़ावौ। तुलसी। (ख) जिनके बांट परी तरवारि। आल्हा।
बांदी का जना	परम अधीन। अत्यन्त आज्ञाकारी। तुच्छ। हीन। वर्णसंकर। दोगला।
बांदी का बेटा	परम अधीन। अत्यन्त आज्ञाकारी। तुच्छ। हीन। वर्णसंकर। दोगला।
बांधनू बांधना	आडम्बर रचना। मंसूबा बांधना। झूठा अपराध लगाना।
बांस पर चढ़ना	बदनाम होना।
बांस पर चढ़ाना	बदनाम करना। बहुत बढ़ा देना। बहुत उन्नत या उच्च कर देना। मिजाज बढ़ा देना। बहुत आदर करके धृष्ट या घमंडी बना देना।
बांस बजना	लाठी चलना। मार-पीट होना।

बांस बजाना	लाठी चलाना। मार-पीट करना।
बांस बराबर	बहुत लम्बा।
बांसा फिर जाना	नाक की हड्डी का टेढ़ा हो जाना (जो मृत्युकाल के समीप होने का चिन्ह माना जाता है)।
बांसों उछलना	अत्यधिक प्रसन्न होना। खूब खुश होना। बहुत उछल-कूद करना।
बांह की छांह लेना	शरण में आना।
बांह गहना	भरण-रक्षण का भार उठाना। हर तरह से मदद देने के लिए तैयार होना। अपनाना। विवाह करना। पाणि-ग्रहण करना।
बांह गहे की लाज	रक्षा करने के प्रण को अनेक कष्ट भोगते हुए भी न छोड़ना। उ०- एक विभिषन बांह गहे की
बांह चढ़ाना	कोई काम करने के लिए तैयार होना। लड़ने के लिए तैयार होना। आस्तीन चढ़ाना।
बांह टूटना	सबसे बड़े सहायक का उठ जाना। भाई का मरना।
बांह देना	सहायता देना। सहारा देना। मदद करना। उ०-(क) नुपुर जनु मनिवर कल हंसन रचे नीड़ दे बांह। तुलसी। (ख) कीन्ह सखा सुग्रीव प्रभु दीन्ह बांह रघुबीर। तुलसी।
बांह पकड़ना	भरण रक्षण का भार उठाना। हर तरह से मदद देने के लिए तैयार होना। अपनाना। विवाह करना। पाणिग्रहण करना।
बांह बुलन्द होना	साहस करना। उदार होना।
बाई चढ़ना	वायु का प्रकोप होना। घमंड आदि के कारण व्यर्थ की बातें करना। सन्निपात होना।
बाई पचना	वायु का प्रकोप होना। घमंड टूटना। शेखी मिटना। गर्व दूर होना।
बाई पचाना	घमंड तोड़ना। गर्व दूर करना।

बाग उठाना	चल पड़ना।
बाग बाग होना	प्रसन्न होना।
~~(किसी ओर)~~बाग मोड़ना	किसी ओर प्रवृत्त करना।किसी ओर घुमाना।ले जाना।
बाग हाथ से छूटना	बेकाबू होना।मौका हाथ से जाता रहना।
बाछें खिलना	अति प्रसन्न होना।खुशी से खिल जाना।
बाज आना	खोना।छोड़ना।त्यागना।दूर रहना।अलग होना।पास न जाना।लौटना।
बाज करना	रोकना।मना करना।उ०- देखिबे ते अंखियान को बाज के लाज के माजि के भीतर आई। रघुनाथ।
बाज रखना	रोकना।मना करना।
बाज रहना	दूर रहना।अलग रहना।
बाजार उतरना	बाजार में किसी चीज की मांग कम होना।ग्राहकों की कमी होना।पदार्थ के मूल्य में निरन्तर ह्रास होना।दाम घटना।कारोबार कम चलना।
बाजार करना	चीजें खरीदने या बेचने के लिए बाजार जाना।
बाजार का गज	वह आदमी जो इधर उधर मारा मारा फिरे।
बाजार की मिठाई	आसानी से मिलनेवाली चीज।वेश्या।
बाजार गरम होना	बाजार में चीजों या ग्राहकों आदि की अधिकता होना। खूब लेन-देन या खरीद-बिक्री होना।खूब काम चलना। काम जोरों पर होना।
(किसी चीज का)बाजार गरम होना	जोर,अधिकता,प्रबलता होना(शि रिश्वत, गिरफ्तारियों का बाजार)।
बाजार गिरना	भाव घटना।मंदी होना।
बाजार ठंढा होना	बाजार में लेन-देन खूब न होना।
बाजार तेज होना	किसी चीज की मांग अत्यधिक होना।ग्राहकों की अधिकता होना।किसी चीज का मूल्य वृद्धि पर होना। काम जोरों पर होना।खूब काम चलना।भाव चढ़ना।

बाजार भाव	प्रचलित मूल्य।
बाजार भाव देना	खूब पीटना।पूरी मरम्मत करना।
बाजार भाव पीटना	खूब पीटना।पूरी मरम्मत करना।
बाजार मंदा होना	चीज की मांग कम होना।ग्राहकों की कमी होना।किसी पदार्थ के मूल्य में निरन्तर ह्रास होना।दाम घटना। कारोबार कम चलना।
बाजार लगना	बहुत सी चीजों का इधर उधर ढेर लगना।बाजारों का खुलना।
बाजार लगाना	चीजों का इधर उधर फैला देना।अटाला लगाना।
बाज़ी खाना	ताश-गंजीफे की बाट में अच्छे पत्ते मिलना।
बाज़ी बदना	शर्त बदना । लगाना।
बाज़ी मारना	बाज़ी जीतना।दांव जीतना।
बाज़ी ले जाना	आगे बढ़ जाना।श्रेष्ठ ठहरना।जीतना।
बाज़ू टूटना	बांह टूटना।गतबल हो जाना।
बाज़ू तौलना	(पक्षी का)उड़ने को तैयार होना।
बाट करना	नया रास्ता खोलना।मार्ग बनाना।उ०- जीत्यौ जरासंध बंदि छोरी।जुगल कपाट विदारि बाट करि लतनि जुही संधि चोरी। सूर ।
बाट का रोड़ा	बाधक।विघ्नरूप।
बाट काटना	रास्ता तै करना।
बाट जोहना	प्रतीक्षा करना।आसरा देखना।
बाट देखना	प्रतीक्षा करना।आसरा देखना।
बाट परना	रास्ते में आ आकर बाधा देना।तंग करना।किसी काम में बाधक होना।पीछे पड़ना।डाका पड़ना।हरण होना। उ०- तरनिउं मुनि घरनी होई जाई।बाट परइ,मोरि नाव उड़ाई। तुलसी ।

बाट मारना	डाका मारना। मार्ग में लूट लेना। उ०- राम लौं न जान दीनों बाट ही में खरी कीनी बाट पारिबे को बली अंगद प्रवीन है। प्र हनुमान ।
बाट लगाना	रास्ता दिखलाना। मार्ग बतलाना। किसी काम करने का ढंग बताना। मूर्ख बनाना।
बाटली चापना	रस्से का खींचकर पाल तानना।
बाढ़ का डोरा	तलवार के धार की रेखा।
बाढ़ पर चढ़ना	सान देना। उकसाना। भड़काना।
बाढ़ मरना	(रोगादि से) बाढ़ का रुक जाना।
बाढ़ रूंधना	कांटेदार झाड़ियों या ईंट, मिट्टी आदि से आने जाने का मार्ग बन्द करना।
बाढ़ रोकना	आगे बढ़ने से रोकना।
बाढ़ दगना	तोप का लगातार छूटना ~~या उनके छूटने का खाली शब्द होना।~~
बात आंचल में बांधना	
बात आ पड़ना	प्रसंग आना। संयोग उपस्थित होना।
बात आना	चर्चा छिड़ना। प्रसंग आना। किसी विषय पर कुछ कहा सुना जाना।
(किसी पर) बात आना	दोषारोपण होना। दोष लगना। कलंक लगना।
बात उखाड़ना (पुरानी)	चर्चा छेड़ना। भूली बातों की स्मृति दिलाना। प्रसंग उठाना
बात उठना	चर्चा छिड़ना। प्रसंग आना। किसी विषय पर कुछ कहा सुना जाना।
बात उठाना	कड़ुवी बातें सहना। कथन का पालन करना। बात पर चलना। मान रखना। बात न मानना। वचन खाली करना। चर्चा चलाना। किसी विषय पर कुछ कहना आरम्भ करना। उ०- अब समझी मैं बात सबन की झूठे ही यह बात उठावति। सूर ।

बात उड़ना — चारों ओर चर्चा फैलना। किसी विषय का लोगों के बीच प्रसिद्ध या प्रचार होना। उ०- झूठी ही यह बात उड़ी है राधा कान्ह कहत नर नारी। रिस की बात सुता के मुख सों सुनत हंसी मन ही मन भारी। सूर ।

बात उड़ाना — बात टालना।

बात उलटना — बात का जवाब देना। बात पलटना। विरुद्ध बात कहना।

बात कहते — ~~उतनी देर में जितनी देर में मुंह से बात निकले।~~ तुरन्त। झट। फौरन। पल भर में। बहुत थोड़े समय में।

(किसी की) बात कांधना — स्वीकृत करना। मान लेना।

बात का ओर-छोर — बात का मतलब। बात का सिर-पैर।

बात का कच्चा — प्रतिज्ञा भंग करनेवाला।

बात को गांस कर रखना — मन में बैठा रखना। हृदय में जमाना। स्मरण रखना। मन में लिए रहना। उ०- दांउ घाउ तुमही सब जानत। सदा मानि तुम को हम आई अबहुं, तैसइ मानत। तुम वह बात गांस करि राखी हम को गई भुलाइ। ता दिन कह्यो नहीं मैं जानों मान लई सति भाइ।

बात का धनी — प्रतिज्ञा, वचन या बात का पालन करनेवाला। दृढ़ प्रतिज्ञ। कौल का सच्चा।

बात का पक्का — प्रतिज्ञा, वचन या बात का पालन करनेवाला। दृढ़ प्रतिज्ञ। कौल का सच्चा।

बात का पूरा — प्रतिज्ञा, वचन या बात का पालन करनेवाला। दृढ़ प्रतिज्ञ। कौल का सच्चा। जिसके पास कोई वस्तु यथेष्ट या प्रचुर हो। अटल।

बात का बतंगड़ करना — छोटी सी बात को बड़ी बना देना। तिल का ताड़ बनाना।

बात का हेठा — प्रतिज्ञा भंग करनेवाला।

बात काटना — बीच में बोलना। बात में दखल देना। बात का खंडन करना। बात का विरोध करना। टोकना। कही हुई बात के विरुद्ध कहना।

बात कान पड़ना	बात का सुना जाना। बात की जानकारी होना।
बात की तह	असल मतलब। तात्पर्य।
बात की पुड़िया	बहुत बातूनी।
बात की बात में	दम भर में। झट से। फौरन। तुरन्त। बहुत थोड़े समय में।
बात को मरना	व्यर्थ या निस्सार बातों में शान दिखाने की इच्छा करना। उ०- मरत कह बात को। नंद। वचनों से अपना महत्व प्रकट करना। अपनी बात रखने का प्रयत्न करना।
बात खाली जाना	प्रार्थना या कथन का निष्फल होना। बात का न माना जाना। कहने के अनुसार कोई बात का न होना। वादा झूठा होना।
बात खाली पड़ना	प्रार्थना या कथन का निष्फल होना। बात का न माना जाना। कहने के अनुसार कोई बात का न होना। वादा झूठा होना।
बात खुलना	गुप्त विषय प्रकट होना। छिपी व्यवस्था ज्ञात होना। छिपा मामला जाहिर होना।
(अपनी) बात खोलना	साख बिगाड़ना। ऐसा काम करना जिससे लोग विश्वास करना छोड़ दें। प्रतिष्ठा नष्ट करना। इज्जत गंवाना।
बात गढ़ना	झूठी बात कहना। मिथ्या प्रसंग की उद्भावना करना। बात बनाना। उ०- झूठे कहत स्याम अंग सुन्दर बातें गढ़त बनाय। सूर।
बात गांठ बांधना	बात को न भूलना। अच्छी तरह याद कर लेना। बात दिल में बैठा लेना।
बात घूंट जाना	बात सुनकर भी उस पर ध्यान न देना। सुनी अनसुनी कर देना। अनुचित या कठोर बचन सुनकर भी चुप रहना। दर गुजर करना। जाने देना।
बात चबा जाना	कुछ कहते कहते रुक जाना। बात का रुख दूसरी ओर कर देना।
बात चलना	प्रसंग आना। चर्चा छिड़ना। किसी विषय पर कुछ कहा सुन

बात चलाना — चर्चा छेड़ना। जिक्र करना। उ०- फिरि फिरि नृपति चलावत बात। कहौ सुमंत कहां तै पलटे प्रान। जिवन कैसे बन जात। सूर । चर्चा चलाना। बात छेड़ना। उ०- ऊधौ कत ये बातै चाली। कछु मीठी कछु कड़ई हरि की अंतर मर मै सब साली। सूर ।

बात छेड़ना — चर्चा छेड़ना। जिक्र करना।

(मन मै) बात जमना — किसी बात का हृदय पर भली भांति अंकित होना। किसी बात का मन पर पूरा पूरा प्रभाव पड़ना।

(मन मै) बात जमाना — दृढ़ निश्चय कराना।

बात जाना — बात का प्रमाण न रहना। विश्वास न रह जाना। प्रतिष्ठा नष्ट होना। उ०- उचित यासु निग्रह अब भाई। नतरु बात जदुकुल की जाई। गोपाल । एतबार उठना। इज्जत न रह जाना।

बात टलना — कथन का अन्यथा होना। जैसा कहा गया हो वैसा न होना।

बात टालना — बात न मानना। सुनी अनसुनी करना। आदेश, प्रार्थना या शिक्षा के अनुकूल कार्य न करना। कही हुई बात पर न चलना।

बात ठहरना — किसी विषय मै यह स्थिर होना कि ऐसा होगा। मामला तै होना। विवाह सम्बन्ध स्थिर होना। किसी प्रकार का निश्चय होना।

बात डालना — कहना न मानना। कथन का पालन न करना।

बात तक पहुंचना — छिपा हुआ अर्थ समझ जाना। गूढ़ार्थ जान जाना।

बात दुहराना — दूसरे की बातों को उलट कर जवाब देना।

बात न करना — घमंड के मारे न बोलना।

बात न पूछना — तुच्छ जानकर बातचीत न करना। ध्यान न देना। आदर न करना। उपेक्षा करना। अवज्ञा से ध्यान न देना। उ०-(क) सिर पैठ, ऊपर चरन संकट, बात

	नहिं पूछै कोऊ। तुलसी ।(ख) मीन वियोग न सहि सकै नीर न पूछै बात। सूर ।
बात निकलना	चर्चा चलना।
बात निकालना	बात चलाना।
बात नीचे डालना	अपनी बात का खंडन होने देना। अपनी बात का आग्रह त्याग देना।
बात पक्की करना	परस्पर स्थिर करना कि ऐसा ही होगा। दृढ़ निश्चय करना। प्रतिज्ञा या संकल्प पुष्ट करना।
बात पक्की होना	स्थिर होना कि ऐसा ही होगा। प्रतिज्ञा या संकल्प का दृढ़ होना।
बात पकड़ना	कथन में परस्पर विरोध या दोष दिखाना। किसी के कथन को उसी के कथन द्वारा अयुक्त सिद्ध करना बातों से कायल करना। नुक्ताचीनी करना।
बात पचना	सुनी हुई बात का दूसरों से न कहना।
बात पड़ना	~~किसी विषय का प्रसंग प्राप्त होना~~। चर्चा छिड़ना।
(J365 बात पर आना	अपने कहे हुए वचन के अनुसार ही काम करने के लिए उतारू होना। कहे का भरोसा करना। अपनी बात का पक्ष,हठ करना।
बात पर कहना	जवाब देना।
बात पर जमना	अपने कथन से न बदलना।
(किसी की) बात पर जाना	बात का ख्याल करना। बात पर ध्यान देना। बात का भला बुरा मानना। कहने पर भरोसा करना। कथन के अनुसार चलना।
बात पर धूल डालना	किसी काम,बात या घटना को भूल जाना। मामले का ख्याल न करना।
बात पर बात निकलना	चर्चा या प्रसंग,दूसरे के कुछ कहने के कारण किसी बात का कहा जाना।

बात पर मरना	अपने कथन या संकल्प की चरितार्थता का पूर्ण प्रयत्न करना,तदर्थ सर्वस्व त्यागना।जीवन देकर भी बात रखना।
बात पलटना	बात बदलना।मुकरना।
बात पाना	छिपा हुआ अर्थ समझ जाना।गूढ़ार्थ जान जाना। वास्तविक तात्पर्य समझ जाना।
बात पी जाना	बात सुनकर भी उस पर ध्यान न देना।सुनी अनसुनी करना।अनुचित या कठोर वचन सुनकर भी चुप हो रहना।जाने देना।
बात पूछना	खोज-खबर लेना।ध्यान देना।आदर करना।
बात फूटना	शब्द मुंह से निकलना।रहस्य प्रकाशित होना।
बात फेंकना	व्यंग्य छोड़ना।ताने मारना।बोली ठोली मारना।
बात फेरना	चलते हुए प्रसंग को बीच से उड़ाकर दूसरा विषय छेड़ना।बात पलटना।बात का समर्थन करके उसका महत्व बढ़ाना।
बात फैलना	चर्चा फैलना।प्रसिद्ध होना।लोगों के मुंह से चारों ओर सुनाई पड़ना।
बात फैलाना	इधर उधर लोगों में चर्चा करना।प्रसिद्ध करना।
बात बढ़ना	बात का विवाद के रूप में हो जाना।झगड़ा होना। तकरार होना।मामले का तूल खींचना।मामला टेढ़ा होना।मान-प्रतिष्ठा ~~क~~ बढ़ना।
बात बढ़ाना	विवाद करना।कहा सुनी करना।झगड़ा करना। मामले का तूल देना।अत्युक्ति करना।
बात बदलना	कह कर पलटना।मुकरना। बात पर कायम न रहना। बात का विषय,पहलू बदलना।
बात बनना	काम बनना।प्रयोजन सिद्ध होना।सिद्धि प्राप्त होना। उ०- खोज मारि रथ हांकहु ताता।आन उपाय बनहिं नहिं बाता। तुलसी । संयोग या घटना का अनुकूल होना।बोलबाला होना।साख रहना।

विश्वास रहना।प्रतिष्ठा प्राप्त होना।लोगों पर अच्छा प्रभाव होना।

(अपनी)बात बना लेना — लोगों में प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेना।नाम या यश प्राप्त करना।

बात बनाना — मिथ्या प्रसंग की उद्भावना करना।झूठ बोलना।बहाना करना।व्यर्थ वाग्विस्तार करना।उ०- तुम जो राजनीति सब जानत बहुत बनावत बात। सूर । काम बनाना।कार्य सिद्ध करना।मामला गांठना।उ०- भरत भगति तुम्हरे मन आई।तजहु सोच विधि बात बनाई। तुलसी ।छोटी सी बात को बहुत बढ़ा देना।तिल का ताड़ करना।

बात बनी होना — साख,प्रतिष्ठा या मर्यादा का स्थिर रहना।अच्छी दशा होना।

बात बहना — चारों ओर चर्चा फैलना।बात उड़ना।उ०- जो हम सुनत रही सो नाहीं।ऐसी ही यह बात बहानी। । सूर ।

बात बात पर — प्रत्येक प्रसंग पर।थोड़ा सा भी कुछ होने पर।

बात बिगड़ना — कार्य नष्ट होना।काम चौपट होना।प्रयोजन सिद्ध न होना।प्रयोजन प्रतिष्ठा नष्ट होना।दिवाला निकलना।

बात बिगाड़ना — कार्य नष्ट करना।काम चौपट करना।बुरी परिस्थिति लाना।उ०- विधि बनाइ सब बात बिगारी। तुलसी प्रतिष्ठा नष्ट करना।इज्जत खोना।

बात मारना — बात दबाना।घुमा फिरा कर असल बात न कहना।व्यंग्य बोलना।ताना मारना।

बात मुंह पर लाना — बात बोलना।या वाक्य का उच्चारण करना।(किसी)विषय की)चर्चा कर बैठना।

बात में — हर एक बात में।जो कुछ कहता है सबमें।पुन:पुन:।बार बार।प्रत्येक प्रसंग पर।हर बार।

बात मैं फर्क आना	बात झूठी ठहरना।
बात मैं बात निकालना	बाल की खाल निकालना। बात की बारीकी निकालना
बात रख लेना	प्रतिष्ठा नष्ट न होने देना।
बात रखना	कहना मानना। कथन या आदेश का पालन करना। मनोरथ पूरा करना। मन रखना। दूसरे के वचन या प्रतिज्ञा की पूर्ति मैं सहायक होना। अपने वचन का पालन करना। बात का आदर करना। हठ करना। दुराग्रह करना। दोष लगाना। कलंक मढ़ना। लांछन रखना। उ०- वेद विदित बहु धर्म चलाउब राखु हमारी बात। रघुराज ।
बात रहना	मान मर्यादा या इज्जत रहना। वचन का पालन होना
बात लगना	विवाह के सम्बन्ध मैं प्रस्ताव आदि होना। बात का प्रभाव पड़ना। बात का बुरा लगना।
बात लगाना	किसी के विरुद्ध इधर उधर बात कहना। लगाई बुझाई करना। कान भरना। निंदा करना। विवाह का प्रस्ताव करना।
बात लाना	वर या कन्या पक्ष से विवाह का प्रस्ताव लाना।
बात संवारना	काम बनाना। कार्य सिद्ध करना। मामला गांठना। उ०- चतुर गंभीर राम महतारी। बीच पाय निज बात संवारी। तुलसी।
बात हारना	प्रतिज्ञा करना। वादा करना। वचन देना। वचन पूरा न करना।
बात हेठी होना	बात का प्रमाण या साख न रह जाना। विश्वास उठ जाना।
बात है	कथन मात्र है। सत्य नहीं है।
बातै गढ़ना	कल्पित बातै बनाना।
बातै छांटना	बहुत बातै करना। व्यर्थ बोलना। बढ़ बढ़ कर बोलना।

बातें बघारना	बातें बनाना। बहुत बोलना। ऐसी बातें करना जिनमें तत्व न हो। बढ़ बढ़ कर बोलना। डींग हांकना। शेखी मारना।
बातें बनाना	व्यर्थ बोलना। बहाना करना। खुशामद करना। चापलूसी करना। डींग हांकना। बढ़ बढ़ कर बोलना।
बातें मिलाना	हां में हां करना। प्रसन्न करने के लिए सुहाती बातें कहना।
बातें रचना	मोहक, किन्तु झूठी बातें बनाना।
बातें सुनना	कठोर वचन सहना। दुर्वचन सहना। कड़वी बात बर्दाश्त करना।
बातें सुनाना	ऊंचा नीचा सुनाना। भला बुरा कहना। कठोर वचन कहना।
बातों आना	बातों पर विश्वास करके उनके अनुकूल चलना।
बातों का गूदा निकालना	बाल की खाल निकालना। बहुत खोद बिनोद करना।
बातों का धनी	सिर्फ जबानी जमा खर्च करनेवाला। बहुत कुछ कहने वाला पर करनेवाला कुछ नहीं। बातें बनानेवाला।
बातों की झड़ी	बात पर बात कहते जाना। लगातार बोलते जाना।
बातों पर जाना	बातों पर ध्यान देना। कहने के अनुसार चलना।
बातों बातों में	बातचीत करते हुए। कथोपकथन के बीच में।
बातों में आना	बात का विश्वास कर लेना। धोखा खाना।
बातों में उड़ाना	(किसी विषय को) हंसी में टालना। बहाली देना। टालमटूल करना।
बातों में धर लेना	युक्ति से बातों का खंडन कर देना। कायल कर देना।
बातों में फुसलाना	केवल वचनों से सन्तुष्ट या दूसरी ओर प्रवृत्त करना। बातें कहकर सन्तोष या समाधान करना।
बातों में बहलाना	केवल वचनों से सन्तुष्ट या दूसरी ओर प्रवृत्त करना। बातें कहकर सन्तोष या समाधान करना।

बातौं मैं लगाना	बातौं मैं उलझाना। बहकाना। उ०- बातन ही सुत लाय लियौ। तब लौं मथि दधि जननि जसोदा माखन करि हरि-हाथ दियौ। सूर।
बाद करना	अलग कर देना। काट देना।
बाद होना	अलग कर देना। काट देना।
बाद मेलना	शर्त बदना। बाजी लगाना। उ०- बाद मेलि कै खेल पसारा। हार देय जो खेलत हारा। जायसी। वाद-विवाद करना। झगड़े की बात पैदा करना।
बादल उठना	बादलों का फैलना। घटा उठना।
बादल उमड़ना	बादलों का फैलना। घटा उठना।
बादल गरजना	मेघों की रगड़ से आकाश मैं घोर शब्द होना।
बादल घिरना	मेघों का चारों ओर छाना।
बादल चढ़ना	बादलों का फैलना। घटा उठना।
बादल छंटना	मेघों का खंड खंड होकर छट जाना। आकाश स्वच्छ होना।
बादल झुमना	बादलों का एकत्र होकर झुकना।
बादल फटना	मेघों का घटा के रूप मैं फैला न रहना, तितर बितर हो जाना।
बादल मैं (नकली या) थिगली लगाना	बहुत ही कठिन या प्राय: असम्भव कार्य करना। अनहोनी बात करने का प्रयत्न करना। बहुत बढ़ी चढ़ी बात कहना।
बादलौं से बातें करना	आकाश से बातें करना। बहुत ऊंचा होना।
बाधा डालना	रूकावट खड़ी करना। विघ्न उपस्थित करना।
बाधा पड़ना	रूकावट खड़ी होना। विघ्न उपस्थित होना।
बाधा पहुंचना	रूकावट खड़ी होना। विघ्न उपस्थित होना।
बानी मानना	प्रतिज्ञा करना। मनौती मानना।

बाप का	पैतृक।
बाप की चीज समझना	अपनी सम्पत्ति समझना।
बाप तक जाना	बाप की गाली देना।
बाप दादा	पूर्वज। पूर्व पुरुष।
बाप दादा का नाम डुबाना	कुल की प्रतिष्ठा मिटाना।
बाप दादा बखानना	बाप दादा को बुरा-भला कहना। गाली देना।
बाप दादा से	पीढ़ियों से।
बाप बनाना	अति सम्मान करना। खुशामद करना। चापलूसी करना।
बाप मां	रक्षक। पालन करनेवाला।
बाप रे	दुःख, भय या आश्चर्यसूचक वाक्य ।
बायं देना	बचा जाना। छोड़ना। तरह देना। कुछ ध्यान न देना। फेरा देना। चक्कर देना। उ०- निंदक न्हाय गहन कुरुक्षेत। अरपै नारि सिंगार समेत। चौसठ कूवां बायं दिखावे। तो भी निंदक नरकहि जावे। कबीर ।
बायन देना	छेड़-छाड़ करना।
बायां कदम लेना	गुरू मानना। हार मानना।
बायां देना	किनारे से निकल जाना। बचा जाना। जान बूझकर छोड़ना। मिलते हुए का त्याग करना। उ०- बायो दियो विभव कुरुपति को भोजन जाय विदुर घर कीन्हो। तुलसी ।
बायां पायं पूजना	धाक मानना। हार मानना। गुरू मानना।
बायें हाथ का काम	बहुत आसान काम।
बायें हाथ का खेल	बहुत आसान काम।
बायें हाथ से गिनवा लेना	जबरदस्ती लेना। रखवा लेना।
बायों हाथ से रखवा लेना	जबरदस्ती लेना। रखवा लेना।
बायें होना	प्रतिकूल होना। विरुद्ध होना। अप्रसन्न होना। रुष्ट होन
बार कर	जहाज पर से बोझ उतारना (जहाजी)।

बार बार	पुनः पुनः। फिर फिर। उ०-(क) तुलसी मुदित मन पुरनारि जिति बार बार हेरैं मुख अवध मृगराज को। तुलसी। (ख) फूल बिनन मिस कुंज मैं परिहरि गुंज को हार। मग निरखति नंदलाल को सुबलि बार ही बार। पद्माकर। रह रह कर। बराबर।
बार लाना	विलम्ब करना। देरी लगाना।
बारह गुना लिखना	हारने पर बारह गुना देने की शर्त स्वीकार करना।
बारह पत्थर बाहर करना	छावनी की हद से बाहर निकाल देना।
बारह पानी का	बारह बरस का सुवर।
बारह बच्चे वाली	सुवरी।
बारह बाट करना	तितर-बितर या छिन्न भिन्न करना। नष्ट-भ्रष्ट करना। उधर-उधर करना।
बारह बाट घालना	छिन्न भिन्न करना। तितर-बितर या नष्ट भ्रष्ट करना। उ०- मोहि लागि यह कुठाठ तेहि ठाटा। घालेसि सब जग बारह बाटा। तुलसी।
बारह बाट जाना	तितर-बितर होना। छिन्न भिन्न होना। उ०- मन बदले मर्वसिंधु ते बहुत लगाये घाट। मनही के घाले गये वहि घर बारह बाट। रसनिधि। नष्ट भ्रष्ट होना। उ०-(क) लंक असुभ चरचा चलति हाट बाट घर घाट। रावन सहित समाज अब जाइहि बारह बाट। तुलसी। (ख) राज करत बिनु काजहिं ठटहिं जे ठाट कुठाट। तुलसी ते कुरुराज ज्यों जैहैं बारह बाट। तुलसी।
बारह बाट होना	तितर बितर होना। नष्ट होना। उ०- प्रथमै एक जे हौं किया भया सो बारह बाट। कसत कसौटी ना टिका पीतर भया निराट। कबीर।
बारात उठना	बारात का प्रस्थान करना।
1574 बारी बंधना	आगे पीछे के क्रम से एक एक बात के लिए अलग अलग समय नियत होना। उ०- तीनहु लोकन की तरुनीन की बारी बंधी हुती दंड दुहू की। केशव।

बारी बांधना	आगे पीछे का क्रम नियत करना।
बारी बारी से	कालक्रम से एक के पीछे एक की रीति से।
बारी रहो	किनारे होकर चलो (पालकी के कंहार ईंटे आदि चुभने पर)।
बारीकी निकालना	ऐसी बात निकालना जो साधारण दृष्टि से देखने पर समझ में न आ सके। सूक्ष्म उद्भावना करना।
बारे तै	जब बालक रहा हो तभी से। बचपन से। बाल्यावस्था से। उ०-(क) बूझति है रुकिमिनि, पिय, इनमें को वृषभानु किसोरी। नेकु हमें दिखरावौ अपनी बालापन की जोरी। परम चतुर जिन कीन्हे मोहन अल्प बैस ही थोरी। बारे तै जिन यहै पढ़ायौ बुधि, बल, कल बिधि चोरी। सूर। (ख) बारेहि तै निज हित पति जानी। लछिमन राम चरन रति मानी। तुलसी।
बाल की खाल खींचना	बारीकी निकालना। बहुत छानबीन करना।
बाल की खाल निकालना	बहुत ही छोटा, व्यर्थ या तुच्छ तर्क करना। व्यर्थ का दोष निकालना। बड़ी बारीकी निकालना। व्यर्थ का कारण या दलील दिखाना।
बाल की मेड़ बनाना	अति रंजना करना। तिल का ताड़ बनाना।
बाल खिचड़ी होना	स्याह से सफेद बाल अधिक हो जाना।
बाल तक बांका न होना	कुछ भी कष्ट या हानि न पहुंचना। पूर्ण रूप से सुरक्षित रहना। उ०- होय न बांको बार भक्त को जो कोउ कोटि उपाय करै। तुलसी।
1575 बाल धूप में पकाना	बूढ़ा हो जाने पर भी ज्ञान, अनुभव से कोरा रहना।
बाल न बांकना	बाल बांका न होना। उ०- जेहि जिय मनहिं होय सत भारू। परै पहार न बांके बारू। जायसी।
बाल पकना	(बुढ़ापे के कारण) बाल सफेद होना।
(किसी काम में) बाल पकाना	(कोई काम करते करते) बूढ़ा हो जाना। बहुत दिनों का अनुभव प्राप्त करना।
बाल पड़ना	शीशे, चीनी, धातु आदि की चीजों में टूटने का दरार पड़ना।

बाल बंधना	(किसी के ऋण,उपकार से)अत्यधिक बंधा,दबा होना।
बाल बंधा होना	(किसी के ऋण,उपकार से)अत्यधिक बंधा,दबा होना।
बाल बराबर	बहुत सूक्ष्म,महीन या पतला।
बाल बराबर न समझना	कुछ भी परवाह न करना।अत्यन्त तुच्छ समझना।
बाल बांका होना	कष्ट,चोट पहुंचाना।हानि,अनिष्ट होना।
बाल बांधा निशान उड़ाना	पक्का अचूक निशाना लगाना।
बाल बाल गज मोती पिरोना	खूब बनाव-शृंगार करना।
बाल बाल गुनहगार होना	हर तरह से,सिर से पैर तक,अपराधी होना।
बाल बाल दुश्मन होना	हर एक का दुश्मन होना।सभी का शत्रु हो जाना।
बाल बाल बचना	कोई आपत्ति पड़ने या हानि पहुंचने में बहुत थोड़ी कसर रह जाना।साफ या बिल्कुल बच जाना।
बाला बाला	ऊपर ही ऊपर।बाहर बाहर।इस प्रकार जिसमें किसी को मालूम न हो।
बालू की भीत	ऐसी वस्तु जो शीघ्र ही नष्ट हो जाय।अथवा जिसका भरोसा न किया जा सके।उ०- बिनसत बार न लागहीं ओछे जन की प्रीत।अंबर डंबर सांझ के ज्यों बालू की भीत।अस्थायी वस्तु या कार्य।
बाव रसना	अपान वायु का निकलना।पाद निकलना।
बावन वीर	अत्यधिक वीर या चतुर।बड़ा बहादुर और चालाक।
बावली हांड़ी	वह भोजन जिसमें बहुत सी चीजें एक में मिल गयी हों।
बासी कढ़ी में उबाल आना	बुढ़ापे में जवानी का जोश आना।समय बीत जाने पर कुछ करने की इच्छा होना।
बाहर आना	सामने आना।प्रकट होना।
बाहर करना	अलग करना।दूर करना।हटाना।
बाहर का	ऐसा आदमी जिससे किसी प्रकार का सम्पर्क न हो।बेगाना।पराया।

बाहर की हवा लगना	बाहरवालों का असर पड़ना। आवारा होना।
बाहर जाना	घर से निकलना। परदेस जाना।
बाहर बाहर	ऊपर ऊपर। बाहर रहते हुए। अलग से। बिना किसी को जताये। अलग या दूर से।
बाहर होना	सामने आना। प्रकट होना।
(आज्ञा से) बाहर होना	मानने से इन्कार करना।
बिख बोना	बहुत बड़े अनर्थ का सूत्रपात करना।
बिख बोलना	बहुत ही कटु और लगती हुई बात कहना।
बिगड़ी संवारना	बिगड़ी बात बनाना।
बिजली कड़कना	आकाश में बिजली फैलने से मेघों में जोर का शब्द होना।
बिजली गिरना	आकाश से बिजली का वेगपूर्वक पृथ्वी की ओर आना।
बिजली पड़ना	आकाश से बिजली का वेगपूर्वक पृथ्वी की ओर आना।
बिदा देना	जाने की आज्ञा देना।
विदा मांगना	प्रस्थान की आज्ञा मांगना।
बिध बैठना	उपाय या रास्ता निकलना।
बिध मिलाना	आय-व्यय का हिसाब ठीक करना।
बिना आये तरना	समय से पहले मर जाना।
बिना मूल्य बिकना	बिना किसी प्रतिकर के दास हो जाना।
बिपत्ति पारना	संकट की स्थिति में डालना। आफत ढाना।
बिपत्ति भरना	बिपत्ति भोगते हुए दिन बिताना।
बिरादरी से खारिज होना	जातिच्युत होना।
बिरादरी से बाहर होना	जातिच्युत होना।
बिल ढूंढना	अपनी रक्षा का उपाय ढूंढना। बचाव की जगह ढूंढना।

बिल मैं घुसना	छिप जाना। घर मैं बैठ रहना।
बिलग मानना	बुरा या मानना। उ०- तजिहौं जौ हरखि तौ बिलग न मानि कहूं। अमी० ।
बिल्ली का रास्ता काटना	बिल्ली का सामने से निकल जाना जो अशुभ समझा जाता है।
बिल्ली को छीछड़ों के ख्वाब	मनुष्य का जैसा स्वभाव होता है वैसे ही विचार उसके मन मैं आते हैं।
बिसात उलटना	उलट पलट हो जाना। दशा बदल-बिगड़ जाना।
बिसायंध आना	सड़ी मछली के समान दुर्गन्ध आना।
बिस्मिल्ला करना	शुरू करना।
बिस्मिल्ला ही गलत होना	शुरू मैं ही गल्ती होना।
बिहिश्त को ठोकर (लात) मारना	मिले या मिले हुए सुख को छोड़ना।
बीच करना	बिचवई करना। उ०- ललित भृकुटि तिलक भाल चिबुक अधर, द्विज रसाल, हास चारुतर कपोल नासिका सुहाई। मधुकर जनु पंकज बिच मुख विलोकि नीरज पर लरत मधुप अवली माना बिच कियो आई। तुलसी । झगड़ा निपटाना या मिटाना। उ०-(क) चोरी के फल तुमहिं दिखाऊं। कंचन खंभ डोर कंचन की देखो तुमहिं बंधाऊं। खंडौ एक अंग कछु तुमरो चोरी नाउं मिटाऊं। जो चाहौ सोइ सब लेहौ यह कहि डांड़ मंगाऊं। बीच करन जो आवै कोऊ ताको सौंह दिवाऊं। सूरश्याम चोरन के राजा बहुरि कहा मैं पाऊं। सूर । (ख) रहा कोइ घर हरिया करे जो दोउ मंह बीच। जायसी।
बीच खेत	खुले मैदान। सबके सामने। प्रकट रूप मैं। अवश्य। खुल्लमखुल्ला। डंके की चोट।
बीच डालना	परिवर्तन करना। विभेद या पार्थक्य करना।
बीच पड़ना	(दशा आदि मैं) फर्क होना। परिवर्तन होना। और का और होना। उ०- कोटि जतन कोऊ करै परै न

	प्रकृतिहि बीच। नल बल जल ऊँचे चढ़ै अंत नीच को नीच।।
	झगड़ा निपटाने के लिए पंच बनना। मध्यस्थ होना।
बीच पारना	परिवर्तन करना। विभेद या पार्थक्य करना। उ०- विधि न सकेउ सहि मोर दुलारा। नीच बीच जननी मिस पारा। तुलसी । भेद करना।
बीच बीच मै	रह रह कर। थोड़ी थोड़ी देर मै। थोड़ी थोड़ी दूरी पर। थोड़े थोड़े अन्तर पर।
बीच मै कूदना	अनावश्यक हस्तक्षेप करना। व्यर्थ टांग अड़ाना।
बीच मै डालना	मध्यस्थ बनाना।
बीच मै देना	साक्षी बनाना।
बीच मै पड़ना	मध्यस्थ होना। जिम्मेदार बनना। प्रतिभू बनाना। बिचवई करना।
(ईश्वर आदि को) बीच मै रखकर कहना	(ईश्वर आदि की) शपथ खाना। कसम खाना।
बीच रखना	भेद करना। दुराव रखना। पराया समझना। उ०- कीन्ह प्रीति कछु बीच न राखा। लछिमन राम चरित सब भाषा। तुलसी । छिपाना।
बीछी चढ़ना	बिच्छू के डंक का विष चढ़ना। उ०- नगर व्यापि गई बात सुतीछी। छुवत चढ़ी जनु सब तन बीछी। तुलसी ।
बीज बोना	किसी बात या कार्य का आरम्भ या सूत्रपात करना।
बीड़ा उठाना	कोई काम करने का संकल्प करना। किसी काम के लिए हामी भरना। प्रण बांधना। उ०- कबिरा निंदक मरि गया अब क्या कहिए जाइ। ऐसा कोई ना मिलै बीड़ा लेइ उठाइ। कबीर । उद्यत होना। मुस्तैद होना। उ०- कहै कंस मन लाय भली भयी मंत्री दयौ। लीनै मल्ल बुलाय आदर कर बीरा लयौ। लल्लू ।
बीड़ा जोड़ना	बीड़ा उठाना।
बीड़ा जोरना	बीड़ा उठाना।

बीड़ा देना	कोई काम करने की आज्ञा देना।काम का भार सौंपना। उ०- कंस नृपति ने शकट बुलाए लैकर बीरा दीन्हो। धाय नंदगृह द्वार नगर मैं रूप प्रगट निज कीन्हो। सूर। नाचने,गानेवालों आदि को साई देना।बयाना देना। किसी आगत व्यक्ति को चलने के समय पान देना।
बीमा करना	क्षतिपूर्ति की जिम्मेदारी लेना।
बुढ़िया का काता	महीन सूत की एक मिठाई।
बुत बन (हो) जाना	मूर्ति की तरह स्थिर और मौन हो जाना।
बुत्ता देना	झाँसा देना।दम देना।
बुद्धि पर परदा पड़ना	बुद्धि मंद होना।समझ मैं न आना।
बुर्द होना	ऐसी अवस्था होना कि किसी पक्ष मैं केवल बादशाह बच जाय ,बाकी सब मोहरे मर जायँ।(यह आधी मात या हार के समान मानी जाती है)।
बुनियाद डालना	नींव डालना।
बुनियाद रखना	नींव डालना।
बुरा करना	अनुचित काम करना।हानिकर कार्य करना।हानि पहुंचाना।
बुरा कहना	निंदा करना।बदनाम करना।
बुरा चाहना	बुराई चाहना।(किसी के) अनिष्ट की कामना करना।
बुरा पहरा	ऐसा पहरा जिसमें आरम्भ किया हुआ कार्य जल्दी समाप्त न हो।
बुरा फंसना	आपत्ति मैं पड़ना।विपत्ति मैं पड़ना।
बुरा बनना	बुराई लेना।दोषी बनना।बदनाम होना।
बुरा मानना	द्वेष रखना।वैर रखना।खार खाना।अनुचित या खराब समझना।दुखी होना।नाराज़ होना।
बुरा लगना	नागवार लगना।अच्छा न लगना।

बुरा हाल होना	तबाह होना।घोर कष्ट होना।(रोगी की)हालत बिगड़ना।
बुराई आगे आना	बुरे काम का फल मिलना।
बुरी गत करना	बहुत मारना।
बुरी तरह पेश आना	दुर्व्यवहार करना।
बुरी समाना	दिल में बुराई समाना।पापबुद्धि होना।
बुरे दिन	कष्ट के दिन।विपद्काल।
बुरे रास्ते पर पैर धरना	बुरे काम में प्रवृत्त होना।उ०- रघुवंशिन कर सहज सुभाऊ।मन कुपंथ पग धरै न काऊ। तुलसी।
बुरे रास्ते पर पैर रखना	बुरे काम में प्रवृत्त होना।
बूंदे गिरना	धीमी धीमी वर्षा होना।थोड़ा थोड़ा पानी बरसना।
बूंदे पड़ना	धीमी धीमी वर्षा होना।थोड़ा थोड़ा पनी बरसना
बू उड़ना	भेद,कलंक का प्रसिद्ध हो जाना।
बू फैलना	भेद,कलंक का प्रसिद्ध हो जाना।
बूढ़े तोते को पढ़ाना	पढ़ने-लिखने की उम्र बीत जाने पर सिखाना-पढ़ाना।
बूढ़े मुंह मुहांसे	बुढ़ापे में जवानी के शौक आदि करना।
बेंत की तरह कांपना	डर से बहुत कांपना।
बे का जामा पहन लेना	नितान्त निर्लज्ज हो जाना।
बे का बुरका ओढ़ लेना	नितान्त निर्लज्ज हो जाना।
बे का बुरका मुंह पर डाल लेना	नितान्त निर्लज्ज हो जाना।
बे तै करना	किसी को तुच्छ समझते हुए उसके साथ अशिष्टता पूर्वक बातें करना।
बे पर की उड़ाना	बेतुकी हांकना।गप मारना।

बे पर के कबूतर उड़ाना	चतुराई के बल से अनहोनी बात कर लेना। हवा में गिरह बांधना।
बे पानी करना	किसी की प्रतिष्ठा नष्ट करना। किसी का अनादर करना।
बे पेंदी का लोटा	जो किसी बात पर स्थिर न रहे, जिसका मत बदलता रहे, ढुलमुल।
बे मुंह का होना	बहुत सीधा होना।
बे हांकना	असंगत, बेतुकी बात बकना।
बे होना	(घर) उजड़ना। बेटे का मर जाना।
बे सुनाना	दो टूक कहना। बहुत गालियां देना।
बेगार टालना	बिना मन लगाये कोई काम करना। पीछा छुड़ाने के लिए किसी काम को जैसे तैसे पूरा करना।
बेगार भुगतना	जबरदस्ती दिया गया काम करना।
बेच खाना	खो देना। गंवा देना। उ०-(क) सुनु मैया याकी टेव लरन की सकुच बेचि सी खाई। तुलसी। (ख) पुरुष केरी सबै सोहै कुलटी के काज। सूर प्रभु की कहा कहिए बेच खाई लाज। सूर। बेचकर मूल्य खा जाना। नष्ट कर देना। उड़ा डालना।
बेजबान	जो अधिक न बोलता हो। बहुत सीधा।
बेटा बनाना	गोद लेना।
बेटी देना	बेटी ब्याहना।
बेटी लेना	किसी की बेटी से ब्याह करना।
बेड़ा डूबना	नाश होना। काम बिगड़ना।
बेड़ा पार करना	संकट से पार या मुक्त होना। विपत्ति के समय किसी की सहायता करके उसका काम पूरा कर देना।
बेड़ा पार लगना	विपत्ति या संकट से उद्धार होना। कष्ट से छुटकारा पाना।

बेड़ा पार लगाना — संकट से पार या मुक्त करना। विपत्ति के समय सहायता करके किसी का काम पूरा कर देना।

बेड़ा पार होना — विपत्ति या संकट से उद्धार होना। कष्ट से छुटकारा पाना। काम हो जाना।

बेंत की तरह कांपना — बहुत डरना।

बेपरद करना — नंगा करना।

बेभाव की पड़ना — अत्यधिक मार पड़ना। अत्यधिक फटकार पड़ना।

बेल बढ़ना — वंश वृद्धि होना।

बेल मढ़े चढ़ना — काम का पूरा होना।

बेसतर करना — नंगा करना। अपमान करना।

बेहयाई का जामा पहनना — निर्लज्जता धारण करना। निर्लज्ज हो जाना।

बै खरीदना — जमीन आदि बैनामा लिखाकर मोल लेना।

बै लेना — जमीन आदि बैनामा लिखाकर मोल लेना।

बैठ रहना — देर लगाना। वहीं का हो रहना। साहस त्यागना। निराश होना। हारकर उद्योग छोड़ देना।

बैठते उठते — सदा। सब अवस्था में। हर समय।

(कहीं [किसी के साथ) बैठना उठना — संग में समय बिताना। कालक्षेप करना। उ०- जाइ आई जहां तहां बैठि उठि जैसे तैसे, दिन तो बितायो बघु बीतति है कैसे राति। पद्माकर । रहना।

बैठे रहो — अलग रहो। हाथ मत लगाओ। हस्तक्षेप न करो। तुम्हारी आवश्यकता नहीं है। चुप रहो। कुछ मत बोलो।

बैन झरना — मुंह से वचन या बात निकलना। बोल निकलना। उ०- जसुमति मन अभिलाष करै। कब मेरो लाल घुटरुवन रेंगै, कब धरनी पग द्वैक धरै। कब द्वै दंत दूध के देखौं कब तुतरे मुख बैन झरै। सूर ।

बैरंग लौटना — बिना काम हुए, विफल लौटना।

बैर काढ़ना — बदला लेना। उ० - यह विधि सब नवीन पायो । ब्रज काढ़त बैर दुरासी। - सूर।

बैर निकालना — बदला लेना। उ०- यहि विधि सब नवीन पायो ब्रज काढ़त बैर दुरासी। सूर ।

बैर ठानना — शत्रुता करना। दुश्मनी मान लेना। दुर्भाव रखना। उ०- सिर करि धाय कंचुकी मारी अब तो मेरो नांव भयो। कालि नहीं यहि मारग रहो, ऐसो मोसों बैर ठयो। सूर ।

बैर डालना — विरोध करना। दुश्मनी पैदा करना।

बैर पड़ना — बाधक होना। तंग करना। कष्ट देना। उ०- कुटुंब बैर मैरे परे बरनि बरे सिसुपाल। सूर ।

बैर बढ़ाना — अधिक दुर्भाव उत्पन्न करना। दुश्मनी बढ़ाना। अप्रसन्न या कुपित मनुष्य को और भी अप्रसन्न और कुपित करना। उ०- आवत जात रहत याही पथ मोसों बैर बढ़ैहो। सूर ।

बैर बांधना — कोई बड़ा काम करने और उसके लिए लोगों को अपना अनुयायी बनाने के लिए फंडा खड़ा करना। उ०- अपने नाम की बैरक बांधो, सुबु बसो इहि गांव। सूर ।

बैर बिसहना — बिना मतलब किसी से शत्रुता करना। उ०- चाहयो भयो न कछु कबहुं जमराजहु सो वृथा बैर बिसाह्यो। । पद्माकर ।

बैर मानना — दुर्भाव रखना। बुरा मानना। दुश्मनी रखना।

बैर मोल लेना — बिना मतलब किसी से दुश्मनी पैदा करना।

बैर लेना — बदला लेना। कसर निकालना। उ०- (क) लेत केहरि को बयर जनु भेक हति गोमाय। तुलसी । (ख) लेहौ बैर पिता तेरे को, जैहै कहां पराई। सूर ।

बैस चढ़ना — युवावस्था प्राप्त होना। जवानी आना। उ०- बैस चढ़े घर ही रहु बैठि अटानि चढ़े बदनाम चढ़ैगी।

बोझ उठना	किसी कठिन बात का हो सकना। किसी कठिन कार्य का भार लिया जा सकना।
बोझ उठाना	कोई कठिन काम करने का भार लेना।
बोझ उतरना	किसी कठिन काम से छुट्टी पाना। चिन्ता या खटके की बात का दूर होना। जी हल्का होना।
बोझ उतारना	किसी कठिन काम से छुटकारा प देना। चिन्ता या खटके की बात दूर करना। कोई ऐसा काम कर डालना जिससे चिन्ता या खटका मिट जाय।
बोटी बोटी करना	शरीर को काटकर टुकड़े टुकड़े करना।
बोटी बोटी काटना	शरीर के छोटे-छोटे टकड़े करना।
बोटी बोटी फड़कना	अत्यन्त चंचल होना। किसी कार्य पर उद्यत होना। लड़ाई, विरोध या बदला लेने के लिए तैयार होना। उ0- फेरि फरकै सो न कीजै। गिरि0 । अंग अंग फड़कना।
बोतल ढलकना	खूब शराब पिया जाना। मद्य पान किया जाना।
बोतल ढालना	शराब पीना। मद्यपान करना।
बोतल की बोतल चढ़ाना	बहुत मद्य पीना।
बोरिया बांधना	सारा सामान लेकर चलने की तैयारी करना। प्रस्थान करना।
बोरिया उठाना	सारा सामान लेकर चलने की तैयारी करना। प्रस्थान करना।
बोरिया समेटना	चल देना। रास्ता लेना।
बोरिया सम्हालना	चलने की तैयारी करना।
बोरी बांधना	चलने की तैयारी करना। उ0- आनंद लाई काहु ठगोरी। सन पुकार, सन बांधे बोरी। जायसी ।
बोल आना	किसी के मुंह से कुछ शब्द निकलना। कुछ कहा जा सकना।

बोल उठना	एकाएक कुछ कहने लगना। सहसा कोई वचन निकाल देना। चुप न रहा जाना।
बोल चाल न होना	परस्पर सद्भाव न होना। वैमनस्य होना।
बोल जाना	मर जाना। नि:शेष हो जाना। बाकी न रह जाना। चुक जाना। व्यवहार के योग्य न रह जाना। टूट फू जाना। घिस जाना। फट जाना। हार मान लेना। हि हार देना। सिटपिटा जाना। स्तब्ध हो जाना।
बोल बनाना	संगीत में गाते समय किसी गीत के एक एक शब्द ब बार बार अलग अलग तरह से सुन्दरता और कोमलत पूर्वक उच्चारण करना।
बोल बाला रहना	बात की साख बनी रहना। बात स्थिर रहना। बात मालन होता जाना। मान मर्यादा का बना रहना। भाग्य बढ़कर होना। प्रसिद्धि होना। कीर्ति होना।
बोला बाला होना	बात की साख होना। बात का माना जाना या आ होना। मान मर्यादा की बढ़ती होना। भाग्य बढ़कर होना। प्रसिद्धि होना। कीर्ति होना।
बोल मारना	ताना देना। व्यंग्य वचन कहना।
बोल रहना	साख रहना। मान मर्यादा रहना। इज्जत रहना।
बोलती मारी जाना	बोलने की शक्ति न रह जाना। मुंह से शब्द न निकल
बोलि पठाना	बुला भेजना। उ०–नाकरन कर अवसर जानी। भूप बोलि पठए मुनि ज्ञानी। तुलसी।
बोली कसना	ताने देना। आवाजा कसना।
बोली छोड़ना	किसी को लक्ष्य करके उपहास या व्यंग्य के शब्द क
बोली बोलना	व्यंग्य करना। फबती कसना। नीलाम के चीज के दाम लगाना।
बोली मारना	ताने देना। आवाजा कहना।
बोह लेना	डुबकी लेना। गोता लगाना। उ०– रूप जलधि वपुष मन गयंद बोहै। तुलसी।

व्यौत आना	ठीक प्रबन्ध बैठना। व्यवस्था अनुकूल पड़ना। पूरा हिसाब किताब बैठना।
व्यौत बनना	उपाय होना। डौल निकलना।
व्यौत बांधना	आयोजन करना। तैयारी करना। उ०- घुरन के लवा बिनै कन्था तन का व्यौत बांधै।
व्यौत फैलना	पूरा हिसाब किताब बैठना।
व्यौहर चलना	सूद पर रूपया देना। महाजनी करना।
ब्रह्म लगना	किसी के ऊपर ब्राह्मण, प्रेत का अधिकार होना।
ब्रह्मांड चटकना	खोपड़ी फटना। अधिक ताप या गर्मी से सिर में असह्य पीड़ा होना।
ब्रेक लगाना	गाड़ी आदि को रोकने के लिए ब्रेक को दबाना।